

# मानस हिन्दी व्याकरण

विगत वर्षों की विभिन्न  
परीक्षाओं में आए हुए लगभग  
5555 प्रश्नों का संकलन

RAS, RJS, SI, JLO, MVSI, APO, AO-AAO, SET, Jr. Ac., CET, LDC, असि.जेलर, स्टेनोग्राफर, कृषि एवं महिला पर्यवेक्षक, पटवार, ग्रामसेवक, शिक्षक-I, II & III ग्रेड, PTET, BSTC, CTET, REET, Platoon Commander, आयुष अधिकारी, वाहन चालक, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी एवं अन्य परीक्षाओं के लिए उपयोगी पुस्तक।

लेखकगण:

सुभाष यादव  
(लेखक व प्रवक्ता)

एकता ओलानिया

मूल्य : ₹ 560 (NRT)

---

मानस पब्लिकेशन प्रा.लि., जयपुर

© प्रकाशकाधीन

Diary Number 10344/2023-CO/L

**प्रकाशक:**

**मानस पब्लिकेशन प्रा. लि.**

245-A स्वामी विहार, टी.एन. मिश्रा मार्ग,

निर्माण नगर, जयपुर (राज.) 302019

फोन : +91-9983332788

|                  |                 |
|------------------|-----------------|
| प्रथम संस्करण    | : जून, 2014     |
| द्वितीय संस्करण  | : सितम्बर, 2016 |
| तृतीय संस्करण    | : जुलाई, 2017   |
| चतुर्थ संस्करण   | : अक्टूबर, 2018 |
| पंचम् संस्करण    | : जनवरी, 2021   |
| षष्ठम् संस्करण   | : मार्च, 2022   |
| सप्तम् संस्करण   | : अप्रैल, 2023  |
| अष्टम् संस्करण   | : जनवरी, 2025   |
| नवम नवीन संस्करण | : जनवरी, 2026   |

**ISBN : 978-93-91107-99-4**

नोट : इस पुस्तक में दी गई सूचनाएँ यद्यपि विश्वसनीय स्रोतों से ली गई हैं तथा पुस्तक के लेखन में लेखक, मुद्रण, ऑफ़सेट, प्रूफ रीडर द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है, फिर भी अगर कुछ गलतियाँ अथवा कमियाँ रहती हैं अथवा पुस्तक में प्रकाशित किसी भी सूचना की सत्यता के प्रति तथा इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए मानस पब्लिकेशन प्रा. लि., लेखक, सम्पादक, प्रकाशक अथवा मुद्रक आदि जिम्मेदार नहीं हैं। इस पुस्तक को अथवा इसके किसी अंश को प्रकाशक की लिखित अनुमति के बिना किसी भी रूप (फोटोग्राफी, यांत्रिकी विद्युतग्राफिक, तकनीकी तरीके-इलेक्ट्रॉनिक, मैकेनिकल, रिक्तोडिंग, वेब माध्यम, कम्पोज़िंग अथवा अन्य नकल रूप) में उपयोग एवं मुद्रित नहीं किया जा सकता। अन्यथा वह सम्पूर्ण खर्च का जिम्मेदार होगा। किसी भी तरह के विवाद का न्यायिक क्षेत्र जयपुर (राज.) होगा।

**समर्पित**

उन पाठकों को

जो

हिन्दी व्याकरण

सीखना चाहते हैं।

## विषय-सूची

|     |                                                          |                         |
|-----|----------------------------------------------------------|-------------------------|
| 1.  | हिन्दी भाषा : सामान्य जानकारी.....                       | 7-13                    |
| 2.  | वर्ण-विचार.....                                          | 14-31                   |
| 3.  | शब्द-विचार.....                                          | 32-54                   |
|     | ❶ उत्पत्ति के आधार पर (तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी, संकर) |                         |
|     | ❷ रचना के आधार पर (रूढ़, यौगिक, योगरूढ़)                 |                         |
|     | ❸ रूप-परिवर्तन के आधार पर                                |                         |
|     | ❹ अर्थ के आधार पर                                        |                         |
|     | ❺ तत्सम-अर्द्धतत्सम रूपान्तरण                            |                         |
|     | ❻ तत्सम-तद्भव रूपान्तरण                                  |                         |
| 4.  | सन्धि एवं संधि-विच्छेद.....                              | 55-108                  |
|     | ❶ स्वर सन्धि                                             | ❷ व्यंजन सन्धि          |
|     | ❸ विसर्ग सन्धि                                           | ❹ हिन्दी की सन्धियाँ    |
| 5.  | समास एवं समास-विग्रह.....                                | 109-155                 |
|     | ❶ अव्ययीभाव समास                                         | ❷ तत्पुरुष समास         |
|     | ❸ कर्मधारय समास                                          | ❹ द्विगु समास           |
|     | ❺ द्वन्द्व समास                                          | ❻ बहुव्रीहि समास        |
| 6.  | उपसर्ग.....                                              | 156-182                 |
|     | ❶ संस्कृत भाषा के उपसर्ग                                 | ❷ हिन्दी भाषा के उपसर्ग |
|     | ❸ विदेशी उपसर्ग                                          |                         |
| 7.  | प्रत्यय.....                                             | 183-217                 |
|     | ❶ कृत्वाचक प्रत्यय                                       | ❷ तद्धित प्रत्यय        |
| 8.  | विकारी शब्द.....                                         | 218-267                 |
|     | ❶ संज्ञा                                                 | ❷ सर्वनाम               |
|     | ❸ विशेषण                                                 | ❹ क्रिया                |
| 9.  | अविकारी शब्द/अव्यय.....                                  | 268-279                 |
|     | ❶ क्रियाविशेषण                                           | ❷ संबंधबोधक             |
|     | ❸ समुच्चयबोधक                                            | ❹ विस्मयादिबोधक         |
| 10. | लिंग.....                                                | 280-288                 |

|     |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |         |
|-----|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------|
| 11. | वचन.....                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        | 289-293 |
| 12. | कारक .....                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      | 294-307 |
| 13. | काल .....                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       | 308-314 |
| 14. | पक्ष एवं वृत्ति.....                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            | 315-319 |
| 15. | वाच्य.....                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      | 320-334 |
| 16. | समश्रुत/समोच्चरित भिन्नार्थक शब्द ( शब्द-युग्म ).....                                                                                                                                                                                                                                                                                           | 335-368 |
| 17. | पर्यायवाची शब्द.....                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            | 369-394 |
| 18. | विलोम शब्द.....                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                 | 395-423 |
| 19. | वाक्यांश के लिए एक सार्थक शब्द .....                                                                                                                                                                                                                                                                                                            | 424-467 |
| 20. | अनेकार्थक शब्द .....                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            | 468-479 |
| 21. | समानार्थक प्रतीत होने वाले भिन्नार्थक शब्द.....                                                                                                                                                                                                                                                                                                 | 480-492 |
| 22. | वाक्य-विचार.....                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                | 493-517 |
|     | <ul style="list-style-type: none"> <li>❶ वाक्य की परिभाषा</li> <li>❶ वाक्य के अंग</li> <li>❶ वाक्य के प्रकार</li> <li>❶ वाक्य-विश्लेषण</li> <li>❶ वाक्य के आवश्यक तत्त्व</li> <li>❶ पदबंध</li> <li>❶ वाक्य-रूपान्तरण</li> <li>❶ वाक्य-संश्लेषण</li> </ul>                                                                                       |         |
| 23. | विराम-चिह्न.....                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                | 518-527 |
| 24. | शब्द-शुद्धि.....                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                | 528-556 |
| 25. | वाक्य-शुद्धि.....                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               | 557-598 |
| 26. | मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ.....                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 599-675 |
| 27. | कार्यालय-पत्राचार एवं प्रारूप-लेखन.....                                                                                                                                                                                                                                                                                                         | 676-690 |
|     | <ul style="list-style-type: none"> <li>❶ शासकीय पत्र या सरकारी पत्र</li> <li>❶ अनुस्मारक</li> <li>❶ कार्यालय-ज्ञापन</li> <li>❶ अधिसूचना</li> <li>❶ निविदा-सूचना</li> <li>❶ कार्यालय-टिप्पणी</li> <li>❶ अर्द्धशासकीय या अर्द्धसरकारी पत्र</li> <li>❶ कार्यालय आदेश</li> <li>❶ प्रेस विज्ञप्ति</li> <li>❶ परिपत्र</li> <li>❶ पृष्ठांकन</li> </ul> |         |
| 28. | पारिभाषिक शब्दावली.....                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         | 691-720 |

# हिन्दी भाषा: सामान्य जानकारी

सामाजिक प्राणी होने के नाते मनुष्य अपने विचार परस्पर एक-दूसरे से विनिमय (आदान-प्रदान) करता है। ऐसा करने के लिए मनुष्य को 'भाषा' की आवश्यकता होती है।

“भाषा वह साधन है जिसके माध्यम से मनुष्य बोलकर, लिखकर या संकेतों के माध्यम से परस्पर अपने विचार सरलता, स्पष्टता, निश्चितता तथा पूर्णता के साथ प्रकट करता है।”

‘भाषा’ वह व्यवस्था है जो मौन रूप में तो मानसिक रूप लिए होती है और मुख से व्यक्त होकर ध्वनि रूप में भौतिक रूप ग्रहण करती है। यों तो हम भाषा को दो रूपों में ही स्पष्टतया व्यक्त करते हैं— लिखकर अथवा बोलकर; परंतु सांकेतिक भाषा का भी अपना महत्त्व हुआ करता है।

यह सांकेतिक भाषा कई रूपों में हमारे सामने आती है। जैसे:—

**1. विभिन्न रंगों से संकेतों द्वारा**— ट्रैफिक चौराहों पर लाल रंग ठहरने का और हरा रंग आगे बढ़ने की तरफ इशारा करता है। अस्पतालों में भी रंगों का प्रयोग देखने को मिलता है। इसी तरह विभिन्न अधिकारियों की गाड़ियों के ऊपर भी रंगीन बल्बों द्वारा खास तरह की सांकेतिक भाषा का प्रयोग किया जाता है।

**2. विभिन्न ध्वनि-संकेतों द्वारा**— सायरन की आवाज, स्कूलों में घंटी की आवाज, अग्निशामक यंत्रों की आवाज एवं इसी तरह मवेशियों या पक्षियों को कुछ कहने या समझाने के लिए हम ध्वनि-संकेतों का प्रयोग करते हैं। ये ध्वनि-संकेत शब्दों या वाक्यों में दर्शाए नहीं जा सकते; परंतु इनका महत्त्व तो होता ही है।

**3. विभिन्न अंगों से संकेतों द्वारा**— कई अवसरों पर हम अपने विभिन्न अंगों (जैसे— मुँह, नाक, आँख, हाथ, ओंठ, गर्दन, उँगली आदि) द्वारा अपने मन के भावों को व्यक्त करते हैं। अंगों से संकेतों के कारण ही भाषा में अंगों से सम्बन्धित मुहावरों का प्रयोग देखने को मिलता है।

बहुत सारे विद्वानों का मत है कि हिन्दी भाषा संस्कृत भाषा से निष्पन्न है; परंतु यह बात सत्य नहीं है। हिन्दी भाषा की उत्पत्ति अपभ्रंश भाषाओं से हुई है और अपभ्रंश भाषाओं की उत्पत्ति प्राकृत भाषाओं से तथा प्राकृत भाषाओं की उत्पत्ति पालि भाषाओं से। पालि भाषा का उद्गम एवं विकास संस्कृत भाषा से हुआ है।

**संस्कृत → पालि → प्राकृत → अपभ्रंश → हिन्दी**

अपभ्रंश भाषा की उपशाखा शौरसेनी अपभ्रंश से हिन्दी भाषा की उत्पत्ति हुई है।

भाषा शब्द की उत्पत्ति संस्कृत भाषा की 'भाष्' धातु से हुई है जिसका अर्थ - 'कथन' अर्थात् 'कहना'।

**भाष् + आ (प्रत्यय) = भाषा**

**देवनागरी लिपि:** हिन्दी और संस्कृत भाषाएँ 'देवनागरी लिपि' में लिखी जाती हैं। इसका विकास 'ब्राह्मी लिपि' से हुआ है।

देवनागरी लिपि की मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित हैं—

1. इसके ध्वनिक्रम पूर्णतया वैज्ञानिक हैं एवं छपाई व लिखाई दोनों समान हैं।
2. ह्रस्व एवं दीर्घ स्वर में बँटे हैं एवं उनकी निश्चित मात्राएँ हैं।
3. प्रत्येक वर्ग में अघोष फिर सघोष वर्ण हैं एवं अंतिम ध्वनियाँ नासिक्य हैं।
4. उच्चारण एवं प्रयोग में समानता है एवं प्रत्येक वर्ण के लिए अलग-अलग लिपि-चिह्न हैं।

**14 सितम्बर: हिन्दी दिवस :—**14 सितम्बर, 1949 को भारतीय संविधान सभा के काफी विचार-विमर्श के बाद संघ की राजभाषा के रूप में हिन्दी एवं लिपि देवनागरी को मान्यता दी गई। इसलिए 14 सितम्बर को राजभाषा दिवस (हिन्दी दिवस) के रूप में मनाया जाता है। अंग्रेजी को द्वितीय भाषा माना गया।

शासन में कानून बनाने, आदेश निकालने, अध्यादेश जारी करने आदि के लिए जिस भाषा की सहायता ली जाती है, उसे 'राजभाषा' कहते हैं। 1955 ई. में राष्ट्रपति ने बाल गंगाधर खरे की अध्यक्षता में राजभाषा आयोग का गठन किया। राजभाषा अधिनियम 1963 ई. में पारित किया गया एवं 1967 में इसमें संशोधन हुआ।

राजभाषा अधिनियम, 1967 में यह व्यवस्था की गई कि जब तक अहिन्दी भाषी राज्य हिन्दी को स्वीकार नहीं कर लेते तब तक अंग्रेजी हिन्दी के साथ राजभाषा के रूप में बनी रहेगी

[IAS-2011]

25 जून, 1975 राजभाषा विभाग की स्थापना की गई। 1975 में ही हिन्दी के क्रियान्वयन को तीव्र करने के लिए हिन्दी सलाहकार समितियों का गठन किया गया था।

प्रशासनिक कार्यों में हिन्दी के प्रयोग को अनिवार्य करने के लिए 1956 ई. में राजस्थान राजभाषा अधिनियम पारित किया गया।

[पटवार 2008]

केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय ने 1983 ई. में 'देवनागरी लिपि और हिन्दी वर्तनी मानकीकरण' प्रकाशित किया था। मानकीकरण के तीन सोपान 'बोली-भाषा-लिपि' होते हैं।

2. देवनागरी लिपि का विकास किस प्राचीन लिपि से हुआ है?  
 (a) खरोष्ठी लिपि (b) महाजनी लिपि (c) शारदा लिपि (d) ब्राह्मी लिपि (d)
3. निम्नलिखित में से किसे देवनागरी लिपि का दोष माना जाता है?  
 (a) एक वर्ण से एक ध्वनि संकेतित होती है।  
 (b) देवनागरी की वर्णमाला का वर्णक्रम वैज्ञानिक है।  
 (c) इस लिपि के लेखन और मुद्रण के अक्षर एकरूप हैं।  
 (d) संयुक्त अक्षरों को लिखने की कई पद्धतियाँ हैं। (d)
4. संविधान के किस अनुच्छेद द्वारा राजभाषा हिन्दी का विकास करना केन्द्र सरकार का कर्तव्य माना गया है? [CET (Graduation)-2024], [I ग्रेड-2025]  
 (a) अनुच्छेद 345 (b) अनुच्छेद 350 (c) अनुच्छेद 351 (d) अनु. 344 (c)
5. संविधान के किस अनुच्छेद के अनुसार हिंदी देश की राजभाषा है?  
 [CET (Graduation)-2024]  
 (a) अनु. 234 (b) अनु. 283 (c) अनु. 343 (d) अनु. 243 (c)
6. निम्न में से किस नियम के अंतर्गत हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को प्रभावी ढंग से लागू करने के उद्देश्य से पूरे भारत को तीन क्षेत्रों में बाँटा गया है?  
 (a) राजभाषा नियम, 1976 (b) राजभाषा अधिनियम, 1963  
 (c) राजभाषा अधिनियम, 1967 (d) राजभाषा नियम, 1973 (a)
7. भारतीय संविधान में 'राजभाषा' शब्द का प्रयोग किस अर्थ में किया गया है?  
 (a) सम्पर्क भाषा के रूप में (b) जनभाषा के रूप में  
 (c) सरकारी कामकाज के लिए प्रयुक्त भाषा के रूप में  
 (d) किसी विशिष्ट राज्य में प्रयुक्त भाषा के रूप में (c)
8. संविधान की अष्टमसूची में नेपाली, मणिपुरी और कोंकणी भाषाएँ किस सन् में जोड़ी गई?  
 [SET-2023]  
 (a) 1972 (b) 1982 (c) 1992 (d) 1994 (c)
9. 'छत्तीसगढ़ी' हिंदी किस उपभाषा से सम्बंधित है?  
 (a) पूर्वी हिंदी (b) पश्चिमी हिंदी (c) पहाड़ी (d) बिहारी (a)
10. आदिकालीन हिन्दी के सम्बन्ध में उपयुक्त नहीं है [कॉलेज प्राध्यापक-2021]  
 (a) संयोगात्मकता की ओर झुकाव (b) 'ड़' ध्वनि का विकास  
 (c) 'ढ़' ध्वनि का विकास (d) संयुक्त स्वर 'ऐ' का प्रयोग (a)
11. हिन्दी (17 बोलियाँ) का उद्भव अपभ्रंश के किस रूप में सम्बद्ध नहीं है?  
 (a) शौरसेनी अपभ्रंश (b) अर्द्धमागधी अपभ्रंश  
 (c) मागधी अपभ्रंश (d) पैशाची अपभ्रंश (d)
12. ब्रजभाषा का स्थानीय रूप नहीं है—  
 (a) जादोबाटी (b) डांगी (c) सिपाड़ी (d) सिकरवाड़ी (d)

# 4

## सन्धि एवं सन्धि-विच्छेद

‘सन्धि’ का शाब्दिक अर्थ है—‘मेल’ या ‘समझौता’।

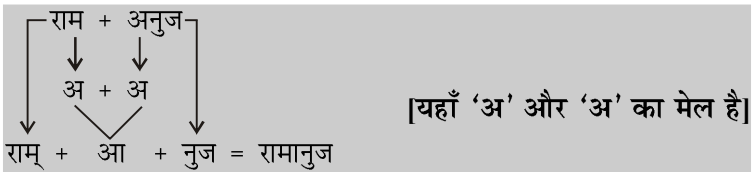
जब दो या दो से अधिक वर्णों का मिलन समीपता के कारण होता है तब उनमें कोई-न-कोई परिवर्तन होता है और इसी परिवर्तन या विकार को ‘सन्धि’ कहते हैं।

“दो या दो से अधिक वर्णों के मिलने से उत्पन्न विकार ही ‘सन्धि’ कहलाता है।”

यह परिवर्तन तीन प्रकार से होता है—

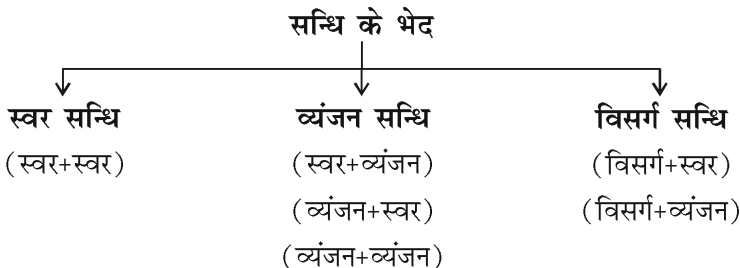
- दो वर्ण मिलकर एकाकार हो जाते हैं।
- दो वर्ण मिलकर किसी तीसरे वर्ण का निर्माण करते हैं।
- दोनों में से एक बदल जाता है और एक मूल रूप में रहता है।

यथा—



**नोट:** यदि वर्णों के मेल होने पर परिवर्तन नहीं होता है तो इसे सन्धि नहीं ‘संयोग’ कहते हैं।

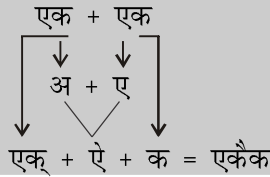
जैसे- देशप्रेम = देश + प्रेम



|         |   |       |   |            |         |
|---------|---|-------|---|------------|---------|
| साम     | + | ऋचा   | = | सामर्चा    | [अ + ऋ] |
| बसन्त   | + | ऋतु   | = | बसन्तर्तु  | [अ + ऋ] |
| अधम     | + | ऋण    | = | अधमर्ण     | [अ + ऋ] |
| देव     | + | ऋषभ   | = | देवर्षभ    | [अ + ऋ] |
| महा     | + | ऋद्धि | = | महर्द्धि   | [आ + ऋ] |
| सप्त    | + | ऋषि   | = | सप्तर्षि   | [अ + ऋ] |
| कण्व    | + | ऋषि   | = | कण्वर्षि   | [अ + ऋ] |
| राजा    | + | ऋषि   | = | राजर्षि    | [आ + ऋ] |
| ब्रह्मा | + | ऋषि   | = | ब्रह्मर्षि | [आ + ऋ] |
| शीत     | + | ऋतु   | = | शीतर्तु    | [अ + ऋ] |
| वर्षा   | + | ऋतु   | = | वर्षर्तु   | [आ + ऋ] |
| शिशिर   | + | ऋतु   | = | शिशिरर्तु  | [अ + ऋ] |
| देव     | + | ऋण    | = | देवर्ण     | [अ + ऋ] |
| महा     | + | ऋण    | = | महर्ण      | [आ + ऋ] |

(iii) **वृद्धि स्वर सन्धि:**—यदि अ/ आ से परे ए/ ऐ, ओ/ औ आ जाते हैं तो इनका क्रमशः ऐ तथा औ बन जाता है।

**सूत्र:**—अ/आ + ए/ऐ = ऐ ( <sup>१</sup> )



[यहाँ 'अ' और 'ए' का मेल है]

|       |   |         |   |            |         |
|-------|---|---------|---|------------|---------|
| शुभ   | + | एषी     | = | शुभैषी     | [अ + ए] |
| प्रिय | + | एषी     | = | प्रियैषी   | [अ + ए] |
| हित   | + | एषी     | = | हितैषी     | [अ + ए] |
| लोक   | + | एषणा    | = | लोकैषणा    | [अ + ए] |
| तथा   | + | एव      | = | तथैव       | [आ + ए] |
| पुत्र | + | एषणा    | = | पुत्रैषणा  | [अ + ए] |
| मत    | + | ऐक्य    | = | मतैक्य     | [अ + ऐ] |
| विचार | + | ऐक्य    | = | विचारैक्य  | [अ + ऐ] |
| वसुधा | + | एव      | = | वसुधैव     | [आ + ए] |
| सदा   | + | एव      | = | सदैव       | [आ + ए] |
| गंगा  | + | ऐश्वर्य | = | गंगैश्वर्य | [आ + ऐ] |

## विगत परीक्षाओं में आए हुए प्रश्न

1. किस शब्द का संधि-विच्छेद सही नहीं है ? [II ग्रेड-2025]
  - (a) सच्छास्त्र = सत् + शास्त्र
  - (b) सुषुप्ति = सु + सुप्ति
  - (c) संवाद = सम् + वाद
  - (d) समुद्रोर्मि = समुद्र + उर्मि (d)
2. निम्नलिखित में त्रुटिपूर्ण संधि-विच्छेद है
  - (a) षडानन = षट् + आनन
  - (b) वाङ्मय = वाक् + मय
  - (c) आच्छादन = आ + छादन
  - (d) पित्रनुमति = पितृ + अनुमति (a)
3. सुसंगत विकल्प चुनिए :
  - (a) मात्रानन्द = मात्रा + आनन्द
  - (b) जगन्नाथ = जगत + नाथ
  - (c) सत् + शास्त्र = सच्छास्त्र
  - (d) मही + इन्द्र = महेंद्र (c)
4. निम्नलिखित में से किस विकल्प के सभी शब्द व्यंजन संधि से निर्मित नहीं हैं ?
  - (a) षडानन, अम्मय
  - (b) मतैक्य, परिच्छेद
  - (c) अभिषेक, समुद्रोर्मि
  - (d) न्यून, मात्रानन्द (d)
5. किस शब्द का संधि-विच्छेद गलत है ?
  - (a) न्यून = नि + ऊन
  - (b) वार्तालाप = वार्ता + अलाप
  - (c) षण्मास = षट् + मास
  - (d) वागीश = वाक् + ईश (b)
6. निम्नलिखित में से संधि से निर्मित सही शब्द नहीं है
  - (a) मही + इन्द्र = महेन्द्र
  - (b) इति + आदि = इत्यादि
  - (c) उपरि + उक्त = उपर्युक्त
  - (d) रवि + इन्द्र = रवीन्द्र (a)
7. यण् स्वर संधि का उदाहरण नहीं है
  - (a) यद्यपि
  - (b) महौजस्वी
  - (c) पित्रादेश
  - (d) अत्यूष्म (b)
8. 'आद्यन्त' का उचित संधि-विच्छेद होगा- [VDO-2025]
  - (a) आदि + अन्त
  - (b) आद्य + अन्त
  - (c) आ + द्यन्त
  - (d) आदी+अन्त (a)
9. इनमें से किसके मेल से होने वाले विकार को 'संधि' कहते हैं?
 

[Platoon Comm.-2025]

  - (a) दो वर्णों के मेल से
  - (b) दो पदबंधों के मेल से
  - (c) दो उपवाक्यों के मेल से
  - (d) दो वाक्यों के मेल से (a)
10. 'लंबा+उदर' का सही 'संधि पद' है-
  - (a) लंबादर
  - (b) लंबाऊदर
  - (c) लंबोदर
  - (d) लंबउदर (c)
11. 'व्यायाम' शब्द का सही 'संधि-विच्छेद' है-
 

[पटवार-2011], Platoon Comm.-2025]

  - (a) वि+याम
  - (b) व्य+आयाम
  - (c) व्या+याम
  - (d) वि+आयाम (d)

# 9

## अविकारी शब्द/अव्यय

**परिभाषा :** ऐसे शब्द जिनमें लिंग, वचन, पुरुष, कारक आदि के प्रयोग से कोई विकार उत्पन्न नहीं होता, 'अविकारी शब्द' या 'अव्यय' कहलाते हैं।

**यथा :**

अभी मैं नहीं आ सकता।

वह भी आपके साथ जाएगा।

जब अविनाश आएगा तब वह जाएगा।

कविता और सविता बहनें हैं।

तुम कहाँ गए थे?

उपर्युक्त वाक्यों में गहरे मोटे काले शब्द अव्यय हैं। इनका रूप नहीं बदलता है, अतः इन्हें 'अविकृत, अविकारी या अपरिवर्तनशील' कहते हैं। अव्यय किसी अन्य शब्द के साथ लगकर उसे भी अव्यय बना देते हैं।

**यथा :**

प्रतिवर्ष, भरपेट, यथास्थान आदि।

### अव्यय के भेद

1. अव्यय के चार भेद होते हैं—

(i) क्रियाविशेषण

(ii) संबंधबोधक

(iii) समुच्चयबोधक

(iv) विस्मयादिबोधक

### क्रियाविशेषण अव्यय

वे अविकारी या अव्यय शब्द जो क्रिया की विशेषता बतलाते हैं, उन्हें 'क्रियाविशेषण' कहते हैं।

**यथा :** राम धीरे-धीरे पढ़ता है।

आशा तेज दौड़ती है।

निपात के भेद : निपात के निम्न नौ भेद माने जाते हैं-

- (i) बलदायक या सीमाबोधक निपात : तो, ही, तक, सिर्फ, केवल, भी, पर।
- (ii) अवधारणाबोधक निपात : ठीक, लगभग, करीब, तकरीबन।
- (iii) स्वीकार्यबोधक निपात : हाँ, जी, जी हाँ।
- (iv) निषेधबोधक निपात : मत, ना।
- (v) प्रश्नबोधक निपात : क्या, कब।
- (vi) नकारबोधक निपात : नहीं, जी नहीं, न।
- (vii) विस्मयादिबोधक निपात : क्या, काश।
- (viii) आदरबोधक निपात : जी।
- (ix) तुलनाबोधक निपात : सा, से, सी।

## विगत परीक्षाओं में आए हुए प्रश्न

1. किस वाक्य में संबंधसूचक अव्यय का प्रयोग नहीं हुआ है ? [II ग्रेड-2025]
  - (a) यह काम स्कूल जाने से पहले करना चाहिए।
  - (b) परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए कठोर परिश्रम करना पड़ता है।
  - (c) नौकर यहाँ रहता है।
  - (d) उसे फिल्म देखने की अपेक्षा घूमना पसंद है। (c)
2. किस वाक्य में रीतिवाचक क्रिया-विशेषण का प्रयोग हुआ है ?
  - (a) मजदूर दिनभर काम करते हैं।
  - (b) वह इतना चला कि थक गया।
  - (c) दर्शनार्थी एक-एक करके मंदिर में प्रवेश कर रहे थे।
  - (d) लोग गुरु जी का प्रवचन ध्यानपूर्वक सुन रहे थे। (d)
3. जिस शब्द के रूप में लिंग, वचन, पुरुष, कारक आदि के कारण कोई विकार उत्पन्न नहीं होता, उसे क्या कहते हैं? [Platoon Comm.-2025]
  - (a) संधि (b) अव्यय (c) समास (d) वाच्य (b)
4. 'अव्यय' के संबंध में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है?
  - (a) कालवाचक अव्यय में समय का बोध होता है।
  - (b) यहाँ, वहाँ, कहाँ, जहाँ- स्थानवाचक अव्यय का बोधक है।
  - (c) विस्मयादिबोधक अव्यय के बाद विस्मयसूचक चिह्न (!) का प्रयोग किया जाता है।
  - (d) अव्यय प्रायः लिंग, वचन, परसर्ग आदि से प्रभावित रहते हैं। (d)
5. 'आशुतोष को मैंने नहीं देखा।' वाक्य में प्रयुक्त अव्यय की पहचान कीजिए-
  - (a) को (b) मैंने (c) देखा (d) नहीं (d)

## पर्यायवाची शब्द

**परिभाषा:**— ‘पर्यायवाची’ शब्द की व्युत्पत्ति ‘पर्याय’ और ‘वाची’ शब्द से हुई है। ‘पर्याय’ का अर्थ ‘समकक्ष’ या ‘समान’ तथा ‘वाची’ का अर्थ ‘बोध कराने वाला’ होता है। अर्थात् जो शब्द अर्थ के स्तर पर समान होते हैं, ‘पर्यायवाची’ शब्द कहलाते हैं।

परन्तु पर्यायवाची शब्द का यह अभिप्राय नहीं है कि वह पूर्णतः समान अर्थ वाला ही हो। हमें मोटे रूप से ये समानार्थी लगते हैं; किन्तु इनमें अर्थ की दृष्टि से सूक्ष्म भिन्नता होती है। ये अलग-अलग संदर्भों में ही प्रयुक्त होते हैं। उदाहरण के लिए हम ‘अभिलाषा’ और ‘कामना’ शब्दों को लें तो दोनों ही ‘इच्छा’ के पर्याय हैं; परन्तु सूक्ष्म अन्तर देखिए—

**अभिलाषा**— हार्दिक इच्छा।

[पुत्र ! मेरी अभिलाषा है कि इस वर्ष तुम्हारा राजस्थान प्रशासनिक सेवा में अवश्य चयन हो।]

**कामना**— अच्छे भाव की इच्छा।

[मैं कामना करता हूँ कि आप प्रतियोगिता में विजयी रहें।]

### पर्यायवाची शब्दों की सूची

|          |                                                                                                             |
|----------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| अँगूठी   | - अंगुलिका, मुद्रा, मुँदरी, छाप, मुद्रिका, छल्ला।                                                           |
| अपमान    | - अनादर, अवमान, बेइज्जती, तिरस्कार।                                                                         |
| अभिप्राय | - तात्पर्य, आशय, मतलब, उद्देश्य, मंशा।                                                                      |
| अभिजात   | - विशिष्ट, सम्भ्रान्त, श्रेष्ठ, उच्च, कुलीन।                                                                |
| अधिकार   | - शक्ति, सामर्थ्य, योग्यता, अर्हता, क्षमता।                                                                 |
| अनिवार्य | - जरूरी, अपरिहार्य, आवश्यक, अटल, लाजिमी।                                                                    |
| अधीर     | - विकल, व्यग्र, आतुर, व्याकुल, उद्विग्न।                                                                    |
| अग्नि    | - आग, अनल, पावक, वह्नि, हुताशन, कृशानु, दहन, ज्वाला, वैश्वानर, धूमकेतु, जातवेद, हुतभुक्, शिखी, अरुण, धनंजय। |

|          |                                                                                                                                         |
|----------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| गरुड़    | - खगेश, पन्नगारि, उरगारि, हरियान, वातनेय, खगपति, सुपर्ण, विषमुख, सर्पारि, वैनतेय, नागांतक ।                                             |
| गदहा     | - खर, गर्दभ, बैसाखनन्दन, रासभ, धूसर, वेशर, चक्रीवान ।                                                                                   |
| गरीब     | - दीन, अकिंचन, दरिद्र, निर्धन, कंगाल ।                                                                                                  |
| गर्व     | - अंह, अंहकार, दर्प, दम्भ, अभिमान, घमंड ।                                                                                               |
| गाय      | - गौ, धेनु, गौरी, भद्रा, दोग्धी, गैया, गऊ, पयस्विनी, सुरभी/सुरभि ।                                                                      |
| गेह      | - भवन, सदन, मन्दिर, निकेतन, आवास, निवास, धाम, गृह, आलय, आगार, ओक, निलय, घर, मकान, अयनशाला, वास, निवास स्थान, शाला ।                     |
| गुफा     | - कंदरा, गुहा, खोह, गह्वर, दरी ।                                                                                                        |
| घट       | - घड़ा, कलश, कुम्भ, कुट, गागर ।                                                                                                         |
| घटा      | - घनावली, घनाली, मेघमाला, मेघाली, कादंबिनी ।                                                                                            |
| घृत      | - घी, अमृत, नवनीत, हव्य, आज्य, सर्पिं ।                                                                                                 |
| घास      | - तृण, दूर्वा, दूब, कुश, शाद ।                                                                                                          |
| चतुर     | - दक्ष, पटु, कुशल, नागर, विज्ञ, निपुण, प्रवीण, योग्य ।                                                                                  |
| चन्द्रमा | - चन्द्र, राकापति, राकेश, मयंक, सोम, शशि, इन्दु, मृगांक, हिमकर, कलानिधि, सुधाकर, निशाकर, द्विजराज, विधु, कलाधर, चाँद, तारकेश, तारापति । |
| चन्दन    | - गन्धसार, मलय, सर्पावास, मलय, गन्धराज, श्रीखण्ड, तमाल, मलयज, संदल, गंधराज ।                                                            |
| चरित्र   | - आचरण, व्यवहार, आचार, शील, चाल-चलन ।                                                                                                   |
| चाँदनी   | - कौमुदी, ज्योत्स्ना, चन्द्रिका, कुमुदकला, जुन्हाई, अंजोरिया, कलानिधि ।                                                                 |
| चरण      | - पैर, पाद, पाँव, पग, पद ।                                                                                                              |
| चाँदी    | - रजत, सौध, रूपा, रूपक, रौप्य, कलधौत, जातरूप ।                                                                                          |
| चोटी     | - शीश, श्रृंग, शिखर, परकोटि, तुंग, शिरोबिंदु ।                                                                                          |
| छल       | - कपट, धोखा, व्याज, ठगी, शठता ।                                                                                                         |
| छवि      | - शोभा, सौंदर्य, कांति, प्रभा, आभा, छटा, चमक, दमक ।                                                                                     |
| छतरी     | - छत्र, छाता, छत्ता ।                                                                                                                   |
| छली      | - छलिया, कपटी, धोखेबाज, प्रपंची, फरेबी ।                                                                                                |
| छानबीन   | - जाँच, पूछताछ, खोज, तफ़्तीश, तहकीकात, जाँचपड़ताल ।                                                                                     |
| छैला     | - सजीला, बाँका, शौकीन ।                                                                                                                 |
| छोर      | - नोक, कोर, किनारा, सिरा, अंत, पार, सीमा ।                                                                                              |
| जल       | - पानी, नीर, तोय, अम्बु, सलिल, जीवन, उदक, वारि, पय, अमृत, आप, रस, आब, अंभ, अप् ।                                                        |

|         |                                                                                                                   |
|---------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| सहेली   | - आली, सखी, सहचरी, सजनी, सैरन्ध्री, संगिनी, सहचारिणी।                                                             |
| समीप    | - सन्निकट, आसन्न, निकट, पास।                                                                                      |
| सगर्भ   | - बंधु, भाई, भ्राता, सहोदर, सजात, सोदर।                                                                           |
| साधु    | - सज्जन, भद्र, सभ्य, शिष्ट, कुलीन।                                                                                |
| हाथ     | - हस्त, भुजा, पाणि, कर, बाहु।                                                                                     |
| हाथी    | - हस्ती, कुंजर, नाग, सिन्धुर, दन्ती, करि, द्विरद, गयंद, गज, मतंग, इभ, वारण।                                       |
| हिरन    | - हरिण, सारंग, मृग, कुरंग, कृष्णसार, चमरी, वातायु, अजिनयोनि।                                                      |
| हिमालय  | - नगपति, हिमपति, नगराज, हिमाद्रि, हिमगिरि, गिरिराज, पर्वतराज।                                                     |
| हनुमान  | - पवनसुत, पवनकुमार, महावीर, रामदूत, मारुततनय, अंजनीपुत्र, आंजनेय, कपीश्वर, केसरीनंदन, बजरंगबली, मारुति, वज्रांगी। |
| हंस     | - मराल, चक्रांग, कलहंस, सिपपक्ष, मानसौक, मुक्तभुक्, सरस्वती वाहन, कारंडव।                                         |
| हितैषी  | - शुभेच्छु, हितकारी, मंगलाकांक्षी, शुभचिंतक, हितचिन्तक, शुभाकांक्षी।                                              |
| हिमांशु | - हिमकर, निशाकर, क्षपानाथ, चन्द्रमा, चन्द्र, निशिपति।                                                             |
| हृदय    | - उर, छाती, वक्ष, हिय, हिया।                                                                                      |

## विगत परीक्षाओं में आए हुए प्रश्न

- किस विकल्प में सभी शब्द 'रात्रि' के पर्यायवाची हैं ?  
[MVSİ-2012],[LDC-HC-2016], II ग्रेड-2025]
  - शर्वरी, निशा, रजनीचर
  - रात, यामिनी, निशिचर
  - रैन, निशाचर, त्रियामा
  - रजनी, निशीथ, विभावरी
- निम्नलिखित में से किस विकल्प के सभी शब्द परस्पर पर्यायवाची नहीं हैं ?  
[LDC-2018]VDO-2025]
  - शैलजा, गिरिजा, अर्कजा
  - अनल, पावक, कृशानु
  - अभ्र, शून्य, व्योम
  - अरुण, मार्तंड, मिहिर
- निम्नलिखित में से कौनसा 'समुद्र' का पर्यायवाची शब्द नहीं है ?  
[LDC-2018]VDO-2025]
  - सागर
  - अंबुधि
  - वारिधि
  - नीरद
- 'चतुर' का पर्यायवाची शब्द होगा-  
[VDO-2025]
  - पर्ण
  - पटकी
  - पटु
  - पाटल
- रिक्त स्थान के लिए उपयुक्त शब्द का चयन कीजिए-[Platoon Comm.-2025]
 

आनंद, आह्लाद से उसी प्रकार संबंध है, जिस प्रकार 'इच्छा' ..... से संबंध है।

  - सहकार
  - हर्ष
  - आकांक्षा
  - अनंत
- इनमें से 'गंगा' का 'पर्यायवाची' नहीं है ?
  - भागीरथी
  - देवन्दी
  - सरसिज
  - मंदाकिनी

## वाक्य-विचार

**परिभाषा :-** “सार्थक शब्दों का वह समूह जिसमें वक्ता के कथन को सम्पूर्ण रूप से व्यक्त करने की क्षमता हो, ‘वाक्य’ कहलाता है।”

वाक्य सार्थक शब्दों का व्यवस्थित रूप है, जिसमें व्याकरण की कोटियों की पूर्णता होती है। वाक्यों में प्रयुक्त पदों के सुनिश्चित क्रम एवं मेल से ही वाक्यों में व्याकरणिक पूर्णता प्राप्त होती है। जब वाक्य का पदक्रम व्याकरण के नियमानुसार होता है तथा उन पदों में पारस्परिक ‘अन्वय’ विद्यमान होता है तभी वह वक्ता के कथन को पूर्णतः व्यक्त करने में सक्षम होता है। इस विवेचन के आधार पर वाक्य रचना के छह आवश्यक तत्त्व निर्धारित किए जा सकते हैं:—

### वाक्य के आवश्यक तत्त्व

- (i) **सार्थकता** : वाक्यों में सार्थक पदों का प्रयोग होना चाहिए, निरर्थक शब्दों के प्रयोग से भावों की अभिव्यक्ति नहीं हो पाती है।
- (ii) **आकांक्षा** : एक पद को सुनने के बाद दूसरे पद को जानने की इच्छा ही ‘आकांक्षा’ है। यदि वाक्य में आकांक्षा शेष रह जाती है तो उसे अधूरा वाक्य माना जाता है, क्योंकि उससे अर्थ पूर्ण रूप से अभिव्यक्त नहीं हो पाता है।  
**यथा-** ‘लोग प्रतिदिन प्रातः काल करना पसन्द करते हैं’, इस वाक्य को सुनकर हमारे मन में प्रश्न उठता है, क्या करना पसन्द करते हैं तो ‘भ्रमण’ कह देने से उत्तर प्राप्त हो जाता है— अर्थात् ‘लोग प्रतिदिन प्रातःकाल भ्रमण करना पसन्द करते हैं। अतः ‘भ्रमण’ शब्द की आकांक्षा इस वाक्य में थी जिसकी पूर्ति कर लेने पर वाक्य में पूर्णता आ गई।
- (iii) **आसत्ति या निकटता** : पदों के बीच समान दूरी रहती है, इसी तरह वाक्य एक अनवरत प्रवाह से बोला या लिखा जाता है। अलग-अलग दूरियाँ एवं समयान्तराल रहने पर वाक्य अपना अस्तित्व खो देता है अर्थात् अर्थबोधन की क्षमता खो देता है।

जैसे— 1. “राम ..... पुस्तक ..... पढ़ ..... रहा ..... है।”

2. राम पुस्तक पढ़ रहा है।

### वाक्य-विश्लेषण

‘विश्लेषण’ शब्द का शाब्दिक अर्थ होता है— ‘अलग-अलग करना’। किसी वाक्य के समस्त अवयवों (अंगों) को पृथक-पृथक कर उनके पारस्परिक संबंध को दिखाने की क्रिया को ही ‘वाक्य-विश्लेषण’ कहते हैं।

**सरल वाक्यों का वाक्य-विश्लेषण**— सरल वाक्यों का वाक्य-विश्लेषण निम्न प्रकार से होता है।

**यथा-**

1. श्याम की बहन मेरी पुस्तक धीरे-धीरे पढ़ती है।
2. मेरा भाई राकेश ऐतिहासिक कहानियाँ अधिक पढ़ता है।

| उद्देश्य |                  | विधेय     |          |                 |      |                   |
|----------|------------------|-----------|----------|-----------------|------|-------------------|
| कर्ता    | कर्ता का विस्तार | क्रिया    | कर्म     | कर्म का विस्तार | पूरक | क्रिया का विस्तार |
| 1        | 2                | 3         | 4        | 5               | 6    | 7                 |
| बहन      | श्याम की         | पढ़ती है। | पुस्तक   | मेरी            | -    | धीरे-धीरे         |
| राकेश    | मेरा भाई         | पढ़ता है। | कहानियाँ | ऐतिहासिक        | -    | अधिक              |

**मिश्र वाक्यों का वाक्य-विश्लेषण**— मिश्र वाक्यों का विश्लेषण करते समय हमें प्रधान उपवाक्य तथा आश्रित उपवाक्य का चुनाव कर आश्रित उपवाक्य का प्रकार लिखना होता है।

- यथा-**
1. राजेश ने कहा कि मैं कल जयपुर जाऊँगा।
  2. वे अवश्य सफल होते हैं जो परिश्रमपूर्वक पढ़ते हैं।
  3. मोहन को गाड़ी नहीं मिली क्योंकि वह समय पर स्टेशन नहीं पहुँचा।

| प्रधान उपवाक्य          | आश्रित उपवाक्य                       | आश्रित उपवाक्य का प्रकार |
|-------------------------|--------------------------------------|--------------------------|
| राजेश ने कहा            | कि मैं कल जयपुर जाऊँगा               | संज्ञा उपवाक्य           |
| वे अवश्य सफल होते हैं   | जो परिश्रम पूर्वक पढ़ते हैं।         | विशेषण उपवाक्य           |
| मोहन को गाड़ी नहीं मिली | क्योंकि वह समय पर स्टेशन नहीं पहुँचा | क्रियाविशेषण उपवाक्य     |

**संयुक्त वाक्यों का वाक्य-विश्लेषण**—संयुक्त वाक्यों का वाक्य-विश्लेषण करते समय साधारण उपवाक्य, समानाधिकरण उपवाक्य, संयोजक का उल्लेख करना पड़ता है।

- यथा-**
1. वह आया और उसने कुछ कहा।

## विगत परीक्षाओं में आए हुए प्रश्न

1. निम्न में से संकेतवाचक वाक्य की पहचान कीजिए : [II ग्रेड-2025]
  - (a) भारत एक महान देश है। (b) वह घर नहीं गया था।
  - (c) यदि तुम आओगे तो मैं तुम्हारे साथ चल पड़ूँगा।
  - (d) वह लिखता होगा, पर हमें क्या मालूम ? (c)
2. निम्नलिखित में से वाक्य-रचना में पदक्रम की दृष्टि से असंगत कथन है :
  - (a) समानाधिकरण शब्द मुख्य शब्द के पीछे आता है और पिछले शब्द में विभक्ति का प्रयोग होता है।
  - (b) प्रश्नवाचक क्रिया विशेषण और सर्वनाम अवधारण के लिये मुख्य क्रिया और सहायक क्रिया के बीच में भी आ सकते हैं।
  - (c) द्विकर्मक क्रियाओं में मुख्य कर्म पहले और गौण कर्म पीछे आता है।
  - (d) प्रश्नवाचक अव्यय 'न' वाक्य के अंत में आता है। (c)
3. निम्नलिखित वाक्यों और वाक्य-भेदों को सुमेलित कीजिए :
 

|                                          |                     |
|------------------------------------------|---------------------|
| (A) पिताजी के साथ संभवतः वह भी आए।       | (1) आज्ञावाचक वाक्य |
| (B) आपको जन्मदिन पर हार्दिक बधाई।        | (2) इच्छावाचक वाक्य |
| (C) पुस्तकालय में बातचीत मत करो।         | (3) संकेतवाचक वाक्य |
| (D) अगर रुपए होते तो पुस्तकें खरीद लेता। | (4) संदेहवाचक वाक्य |

|                        |                            |
|------------------------|----------------------------|
| (a) A-4, B-1, C-3, D-2 | (b) A-3, B-1, C-2, D-4     |
| (c) A-4, B-2, C-1, D-3 | (d) A-3, B-4, C-2, D-1 (c) |
4. इनमें से सरल वाक्य नहीं है :
  - (a) दिन का थका हुआ आदमी रात को खूब सोता है।
  - (b) वहाँ जो कुछ देखने योग्य था, मैंने सब देख लिया।
  - (c) धीरे-धीरे उजाला होने लगा।
  - (d) जहाज का सबसे ऊपर का हिस्सा सबसे पहले दिखाई देता है। (b)
5. निम्नलिखित में से 'उपवाक्य' का भेद नहीं है-[APO-2015][Platoon Comm.-2025]
 

|                          |                     |
|--------------------------|---------------------|
| (a) संज्ञा उपवाक्य       | (b) विशेषण उपवाक्य  |
| (c) क्रियाविशेषण उपवाक्य | (d) काल उपवाक्य (d) |
6. वाक्य में 'योग्यता' का अर्थ है- [MVSI-2012],[Platoon Comm.-2025]
  - (a) पदों के अर्थबोधन की क्षमता
  - (b) एक पद को सुनकर दूसरे को जानने की उत्कण्ठा
  - (c) वाक्य में प्रयुक्त पदों का क्रम
  - (d) एक से अधिक पदों का योग (a)
7. नीचे दो कथन दिए गए हैं- [Platoon Comm.-2025]
 

कथन I : वाक्य, भाषा की सबसे महत्वपूर्ण इकाई है।

कथन II : वाक्य में पदों का क्रम नियमानुसार जरूरी नहीं होता।

उपर्युक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

## पारिभाषिक शब्दावली

|     |                         |                          |                           |
|-----|-------------------------|--------------------------|---------------------------|
| 1.  | Abbreviation            | - अब्रीविएशन             | संक्षेपण, संक्षेप।        |
| 2.  | Ability                 | - अबिलिटि                | योग्यता।                  |
| 3.  | Abnormal                | - अबनॉर्मल               | असाधारण।                  |
| 4.  | Abolition               | - अबोलिशन                | उन्मूलन, समाप्ति।         |
| 5.  | Abolition of privileges | - अबोलिशन ऑफ प्रिविलिजेज | विशेषाधिकारों की समाप्ति। |
| 6.  | Above par               | - अबेव पर                | औसत में ऊँचा।             |
| 7.  | Above cited             | - अबेव सीटेड             | उपर्युक्त।                |
| 8.  | Abridgement             | - अब्रिजमेंट             | संक्षेपण, संक्षेप।        |
| 9.  | Abrogate                | - अब्रोगेट               | निराकरण करना।             |
| 10. | Absence                 | - ऐब्सेंस                | अनुपस्थिति                |
| 11. | Absentee statement      | - ऐब्सन्टी स्टेटमेंट     | अनुपस्थिति विवरण।         |
| 12. | Abuse                   | - अब्यूज                 | दुरुपयोग।                 |
| 13. | Academic                | - एकेडेमिक               | शैक्षिक, शैक्षणिक।        |
| 14. | Academy                 | - एकेडेमि                | अकादमी।                   |
| 15. | Accede                  | - एक्सीड                 | अंगीकार करना।             |
| 16. | Accession               | - ऐक्सेसन                | राज्यारोहण।               |
| 17. | Accommodation           | - अकोमोडेशन              | आवासन।                    |
| 18. | Accounting Year         | - अकाउन्टिंग यियर        | लेखा वर्ष।                |
| 19. | Accounts of profit      | - अकाउन्ट्स ऑफ प्रॉफिट   | लाभ लेखा।                 |
| 20. | Accurate                | - अक्यूरेट               | विशुद्ध, परिशुद्ध।        |
| 21. | Accuracy                | - अक्यूरेसी              | परिशुद्धता, यथार्थ।       |
| 22. | Accuse                  | - अक्यूज                 | अभियोग।                   |

## विगत परीक्षाओं में आए हुए प्रश्न

1. 'PRIVILEGE' के लिए हिंदी शब्द है- [Telecom SI – 2025]
  - (a) विशेषाधिकार (b) अनधिकार
  - (c) एकाधिकार (d) सर्वाधिकार (a)
2. निम्नलिखित में से अंग्रेजी पारिभाषिक शब्द के हिन्दी अर्थ की दृष्टि से असंगत विकल्प है [I ग्रेड-2025]
  - (a) Constituent- संघटन (b) Consistency- संगति
  - (c) Conservation - संरक्षण (d) Confiscation - अधिहरण (a)
3. अंग्रेजी पारिभाषिक 'Creamy layer' का समानार्थक हिंदी शब्द है -
  - (a) उच्च आय वर्ग (b) समुन्नत वर्ग
  - (c) आभिजात्य वर्ग (d) नवधनाढ्य वर्ग (b)
4. अंग्रेजी पारिभाषिक 'OFFICIAL' का समानार्थक नहीं है
  - (a) कार्यालय (b) शासकीय (c) आधिकारिक (d) पदधारी (a)
5. 'Statutory' के लिए हिंदी शब्द है-
 

[कनिष्ठ लेखाकार-2015],[Platoon Comm.-2025]

  - (a) विधिवत (b) क्षेत्रिक (c) वैधानिक (d) चेतावनी (c)
6. प्रशासनिक शब्द 'अनुस्मारक' का समानार्थी अंग्रेजी शब्द है-
 

[स्टेनोग्राफर-2011],[Platoon Comm.-2025]

  - (a) Notification (b) Reminder (c) Resolution (d) Circular (b)
7. नीचे दो कथन दिए गए हैं- [Platoon Comm.-2025]
 

कथन I: पारिभाषिक शब्दों का अर्थ अभिधा में ग्रहण किया जाता है।  
 कथन II: हमारे देश में विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका में पारिभाषिक शब्दों की अधिक भूमिका नहीं है।  
 उपर्युक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

  - (a) कथन I और II दोनों सही हैं।
  - (b) कथन I और II दोनों गलत हैं।
  - (c) कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है।
  - (d) कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है। (c)
8. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए-
 

|                                                                                      |                                                                                                       |
|--------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <b>सूची-I (अंग्रेजी)</b><br>(A) Report<br>(B) Agent<br>(C) Contract<br>(D) Bilingual | <b>सूची-II (समानार्थक हिंदी शब्द)</b><br>(1) प्रतिवेदन<br>(2) संविदा<br>(3) द्विभाषिक<br>(4) अभिकर्ता |
|--------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------|

7. (i) त्याग (ii) त्वरण (iii) शागिर्दी (iv) पदेन  
(v) बीमे की रकम (iv) रियायत (vii) छटनी (viii) उपन्यायिक
8. (i) उपस्थिति (ii) अधिकार (iii) केन्द्रीकरण (iv) उपभोक्ता  
(v) मूल्यांकन (vi) पहचान (vii) प्रदूषण (viii) स्थानांतरण
9. (i) परित्याग (ii) योग्यता (iii) आरोप/अभियोग (iv) बर्खास्त  
(v) लागू करना (iv) कारक/घटक (vii) हवालात (viii) प्रवासी  
(ix) अधिसूचित (x) पट्टेदार (xi) प्रतिद्वन्द्वी/विरोधी
10. (i) सहअपराधी (ii) रिश्वत (iii) अभित्रास/ धमकी  
(iv) अपराध करने में अक्षम (v) क्षम्य  
(vi) क्रियान्वयन/संपदान करना (vii) निवृत्त  
(viii) त्रुटिपूर्ण लेखन (ix) सजा की प्रकृति  
(x) लोक अभियोजक
11. (i) स्थगित करना (ii) जनगणना (iii) निस्तारण (iv) पृष्ठांकन  
(v) पदेन (vi) लंबित (vii) प्रथम दृष्टतया  
(viii) आवृत्ति (ix) कार्यकाल (x) अधिकरण
12. (i) प्रशासन (ii) घटना/मामला (iii) अनुसंधान (iv) सूचना
13. (i) संक्षेप (ii) संवर्ग (iii) समाशोधन (iv) विज्ञप्ति  
(v) संलग्न पत्र (vi) न्यायिक मुद्रांक (vii) विशेषाधिकार छुट्टी  
(viii) परिवीक्षा (ix) निर्वाह (x) अधिकरण
14. (i) EXUBERANT (ii) SATELLITE  
(iii) DUPLICATE (iv) RECURRING  
(v) ENTERPRISE (vi) DESICCATION  
(vii) DIRECTORU (viii) AUTHORISED  
(ix) GAZETTE (x) ANALYSIS
15. (i) त्वरक (ii) अधिनियम (iii) कार्य स्थगन (iv) समानता  
(v) अनुबंध पत्र (vi) प्रजनन (vii) अंतिम सीमा (viii) सविदा  
(ix) न्यायाधिकार (x) अर्थ दोलन
16. (i) SECTION (ii) ENCLOSURE  
(iii) CHAMBER (iv) VIBRATION  
(v) DEPUTATION (vi) CIRCULAR  
(vii) LIQUIDATION (viii) IDENTITY CARD  
(ix) ACCOUNTANT (x) SYNTHESIS
17. (i) नियुक्ति (ii) ग्राहक (iii) उधार (iv) अर्थव्यवस्था  
(v) लेन-देन/विनिमय (vi) मियादी जमा (vii) विधायक (viii) नामांकन  
(ix) विकिरण (x) सचिवालय